



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 638]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 29, 1984/पौष 8, 1906

No. 638]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 29, 1984/PAUSA 8, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग सकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली 29 दिसम्बर 1984

का आ 975 (अ) 19कक/आई डी आर ए/84 — भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं 320 (अ)/19कक/आई डी आर ए/71 तारीख 26 मई 1979 द्वारा (जिसे हमने इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) संमर्भ सपोला जिप्सर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड कलकत्ता नामक सम्पण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उद्योग (विकास और नियन्त्रण) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 19कक की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन 25 मई 1982 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन वर्ष की अवधि के लिये ग्रहण किया गया था और सचिव उद और उद्योग विकास विभाग पश्चिमी बंगाल सरकार के जिसे अब सचिव औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग पश्चिमी बंगाल सरकार कहा जाता है, उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिये प्राधिकृत किया गया था,

और केन्द्रीय सरकार ने अपनी यह राय होने पर कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश पूर्वोक्त तीन वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात प्रभावी बना रहे, 31 दिसम्बर 1984 तक की, जिसमें यह

तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिये ऐसे जारी रहने के लिये, समय-समय पर, निदेश जारी किये थे (देखिए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं का आ 246 (अ)/19कक/आई डी आर ए 82 तारीख 25 मई 1982, का आ 932 (अ)/19कक/आई डी आर ए/82 तारीख 21 नवम्बर 1982, का आ 385 (अ)/19कक/आई डी आर ए/83, तारीख 31 मई 1983 का आ 972 (अ)/19कक/आई डी आर ए/83 तारीख 30 नवम्बर 1983 और का आ 972 (अ)/19कक/आई डी आर ए/84 तारीख 25 जन 1984)

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लाभहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश 31 मार्च 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिये प्रभावी बना रहे

अतः अब केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और नियन्त्रण) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 19कक की उपधारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 19क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 मार्च 1985 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिये प्रभावी बना रहेगा

[का सं 2 (75) 50 मो / य एम]

ए ए सरकार सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 29th December, 1984

S.O. 975(E)|18AA|IDRA|84.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development No. S.O. 320(E)|18AA|IDRA|79, dated the 26th May, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Apollo Zipper Company Private Limited, Calcutta was taken over under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years upto and inclusive of the 25th May, 1982 and the Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, was authorised to take over the management of the said Industrial Undertakings;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest that

the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of three years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1984 (vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry, (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 246(E)|18AA|IDRA|82, dated the 25th May, 1982, S.O. 832(E)|18AA|IDRA|82 dt. 24th November, 1982, S. O. 385(E)|18AA|IDRA|83, dated the 31st May, 1983, S.O. 872(E)|18AA|IDRA|83, dated the 30th November, 1983 and S.O. 472(E)|18AA|IDRA|84, dated the 28th June, 1984);

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a period upto and inclusive of the 31st March, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA read with the proviso to sub-section (2), of section 18A of the Industries (Development and Regulations) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 2(23)|80-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.